

FORM NO. III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

वालत SDO इंगला मुकाम इंगला
 वीरमा बनाम वरदी
 मुकदमा वद्वज वरदी 53 1211 नं. 162 2025 सन्

रोख म्स	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए				
93/24	<p>रहस्यीलदार इंगला ने अपने पत्र क्रमांक [राजख] 2026 दिनांक 18-3-2026 के द्वारा प्रकरण संख्या 162/2025 में विभाजन प्रस्ताव हेतु मर प्रेषित किया जाने से पत्रावली को सीगट से हलक की गई पत्रावली का एवं प्राप्त विभाजन प्रस्ताव का अवलोकन किया गया। प्राप्त विभाजन प्रस्ताव के संश्लेष में वकील वदी को अवगत कराया गया। वकील वदी, प्राप्त विभाजन प्रस्ताव के अनुसार फाइनल डिमी क्रिये जागे हेतु सहमत हैं। इतिवृत्त वदी एवं परिवादीगण के मध्य विभाजन से खाला क्षलण कर क्षलण-क्षलण निम्नानुसार स्वदेदी में दर्ज किया जाने का अधिसा दिया जाता है।</p> <p>(1) वीरम पुत्र माना मीणा सा. सा. देह रहस्यील वल्लभनगर जिला- उदयपुर स्वदेदार</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>असलीनम्बर</th> <th>रकबाई</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>500मी.</td> <td>0.1992</td> </tr> </tbody> </table> <p>किंदा 1 0.1992</p>	असलीनम्बर	रकबाई	500मी.	0.1992	
असलीनम्बर	रकबाई					
500मी.	0.1992					
	<p>(2) नाबालिग उदय लाल पुत्र गोपीलाल संरक्षक सरपररुवा महा वरदी बाई मीणा हिरस्ता 1/6 नाबालिग चांही पुत्री गोपीलाल संरक्षक सरपररुवा महा वरदी बाई हिरस्ता 1/6 नाबालिग ममहा पुत्री गोपीलाल संरक्षक सरपररुवा महा वरदी बाई हिरस्ता 1/6, मौल्य पुत्री गोपीलाल हिरस्ता 1/6, वरदी बाई पत्नी गोपीलाल हिरस्ता 1/6, सावरी पुत्री गोपी हिरस्ता 1/6 जारी मीणा सा. देह स्वदेदार</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>आ.नं.</th> <th>रकबाई</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>500/1</td> <td>0.0664</td> </tr> </tbody> </table> <p>किंदा 1 0.0664</p>	आ.नं.	रकबाई	500/1	0.0664	
आ.नं.	रकबाई					
500/1	0.0664					
	<p>उपरोक्तानुसार राजख रिकार्ड में भ्रमलदरामद किया जाने का अधिसा दिया जाता है। डिमी पर्षा ग्रहिक धेकट संलुण पत्रावली रहे। पत्रावली फेसल सुमाट धेकट नखल लो काम वै 7</p>					



उपखण्ड अधिकारी
इंगला

